प्रकाशनार्थ

पटना, ८ जुलाई। एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (आद्री) द्वारा आयोजित 'डाटा.ड्रिवेन फ्यूचर इन द एज आॅफ आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस' नामक कार्यशाला के समापन दिवस पर विभिन्न विषयों के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शोधकर्ताओं ने बिग डेटा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग (एआई.एमएल) की भूमिका, विश्लेषण की कम्प्यूटेशनल चुनौतियों और सरकारी विभागों से सटीक डेटा संग्रह से संबंधित मुद्दे पर विचार.विमर्श किया।

भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), कोलकाता के शोधकर्ताओं ने डेटा संग्रह, डेटा सफाई, विश्लेषण और रिलीज तथा विभिन्न एआई.एमएल तकनीकों के लाभ और हानि जैसे कई पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इन तकनीकों का उपयोग करके उत्पन्न निष्कर्षों को मान्य करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने न्यूरल नेटवर्क और एलएलएम (लार्ज लैंगूएज मॉडल) जैसे आधुनिक एआई.एमएल टूल का उपयोग करने की तकनीकी प्रस्तुत की।

आईएसआई, कोलकाता के एसोसिएट वैज्ञानिक श्री मन्मथ रॉय ने रैनडम विधि का उपयोग करके डेटा के प्रीप्रोसेसिंग के विज्ञान और महत्व पर विस्तार से बताया। आईएसआई के श्री देबर्षि चंदा ने भी बताया कि डेटा को संभालते समय पूर्वाग्रहों के संबंध में सावधान रहना चाहिए। आईएसआई के डा. अरिजीत घोष ने कहा कि किसी को डेटा का विश्लेषण छोटे.छोटे टुकड़ों में करना चाहिए क्योंकि कई बार डेटा का आकार इतना बड़ा होता है कि इसे कंप्यूटर की मेमोरी में भी संग्रहीत नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'हमें अपनी अपेक्षाओं को कम करना होगा।' उन्होंने यह भी साझा किया कि 20वीं शताब्दी में भौतिकी में हुई अधिकांश सफलताएं मुख्य रूप से अंतज्र्ञान के कारण थीं।

मैरीलैंड विश्वविद्यालय, अमेरिका के प्रो. एम. आर. शरण ने उन अनुभवों और समस्याओं पर चर्चा की जिनका सामना शोधकर्ताओं को सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर काम करते समय करना पड़ता है। उन्होंने मुख्य रूप से मध्य स्तर पर नौकरशाही प्रथाओं के कारण सरकारी डेटा की सटीकता पर गंभीर चिंताएं जताईं। इसके अलावा कहा कि एमआईएस (प्रबंधन सूचना प्रणाली) डेटा उत्पादन में नागरिक भागीदारी की कमी है। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के विवरण को सत्यापित करने के लिए लोगों से फोन के माध्यम से जानकारी लेनी चाहिए। इसके बाद गणनाकारों के एक पैनल द्वारा क्षेत्र से डेटा संग्रह की चुनौतियों पर चर्चा की ।

कार्यशाला के अंतिम सत्र में डेटा संग्रह और साझाकरण के नैतिक, चिकित्सकीय और कानूनी पहलुओं पर आधारित जिम्मेदार डेटा.केंद्रण के बहु.विषयक दृष्टिकोण पर चर्चा हुई।

अंत में, आद्री की सदस्य.सचिव डाॅ अस्मिता गुप्ता ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

Anjani Kumar Verma

(अंजनी कुमार वर्मा)